stages and suitable action will be taken to bring down the losses of the company.

SHRI K. A. RAJAN: I want to impress upon the Minister that he should not be misled by his officials. It is not because of the factors that the Minister has mentioned that the Company incurs losses but it is because of mis-management and not working properly of the whole company.

SHRI P. RAMACHANDRAN: Government will go into the working of the Company and we will keep a constant watch over its working.

कचौरा घाट तथा बटेश्वर में यमुना नदी पर पुलों का निर्माण

*253. **श्री अर्जुन सिंह भदौरिया** : क्या नौवहन और परिवहन मंत्री कचौरा घाट तथा बटेश्वर में यमुना नदी पर पुलों के निर्माण के बारे में 16 अप्रैल, 1973 के तारांकित प्रश्न सं० 730 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश में आगरा जिले की तहसील बाह में कचौरा घाट तथा बटेश्वर (नौरंगी घाट) में यमुना नदी पर पक्के पुलों का निर्माण किये जाने की कोई योजना है ;

(ख) क्या उक्त क्षेत्र के पिछडेपन को ध्यान में रखते हुए डाकू उन्मूलन योजना के अन्तर्गत एक विशिष्ट कार्यक्रम के रुप में इन पुलों के निर्माण के लिये राज्य सरकार को विशेष केन्द्रीय सहायता देने का प्रस्ताव है ; और

(ग) यदि हां, तो उस की रुपरेखा क्या है ?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) चूंकि ये पुल राज्य सड़क पर हैं, इन के निर्माण का मामला मुख्यत: राज्य सरकार से संबंधित है ।

(ख) राज्य सरकार से ऐसा कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है, जिसने उन्हें अपनी योजनाओं में शामिल नहीं किया है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

श्री अर्जुन सिंह भदौरिया : 16 अप्रैल, 1973 को परिवहन मंत्री श्री राज बहादुर जी ने लोक सभा में यह स्वीकार किया था और आश्वासन दिया था कि कचौरा घाट तथा बटेश्वर में पुलों की आवश्यकता है और उन्होंने यह कहा था कि वह राज्य सरकार को लिख रहे हैं । क्या उन्होंने राज्य सरकार को इन पुलों के बारे में लिखा, यदि हां तो राज्य सरकार ने उस समय क्या कार्रवाई की थी ? इन पुलों के निर्माण कार्य को पांचवीं योजना में शामिल किया जाएगा या नहीं ? उत्तरी भारत का सब से बड़ा पशु मेला बटेश्वर में लगता है और समाज का बहुत ही पिछड़ा हुआ वह एक इलाका है ।

श्री मोरारजी देसाई : माननीय सदस्य ने जो बात कही है वह ठीक है । लेकिन राज्य सरकार न माने तो मैं क्या करूं ।

श्री अर्जुन सिंह भदौरिया : श्रीमन् मैं आपके माध्यम से परिवहन मंत्री और प्रधान मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि आगरा से लेकर इटावा और ऊरई तक का क्षेत्र देश का सब से पिछड़ा अंग है और दस्यु राज्यों के करीब है । वहां पर मान सिंह और दूसरे डाकुओं की घटनाओं से सब लोग परिचित हैं ।

कचौरा घाट आगरा से लगभग 100 किलोमीटर और इटावा से 30 किलोमीटर दूर है जो नदियों के बीच में बसा है। केन्द्रीय सरकार अगर उत्तर प्रदेश सरकार से आग्रह करे और समय पर मदद दे तो वहां पर पुलों के निर्माण से उस क्षेत्र का पिछड़ापन दूर होगा और डाकुओं का आंतक भी समाप्त होगा, पढ़ाई लिखाई बढ़ेगी।

श्री मोरारजी देसाई : यह सारी बात तो सही है। मैंने जैसा कहा कि राज्य सरकार जब तक मांग न करें तब तक हम क्या करें। इटावा के नजदीक यमुना पर एक पुल के लिए तो मदद की गई है, वह चल रहा है। मगर दूसरे पुल के लिए जब तक वह मांग न करें तब तक हम क्या कर सकते हैं।

रामजी लाल "सुमन" : आजादी से पहले आगरा से बाह तक रेलवे लाइन थी परन्तु उस को 1939 में उखाड़ दिया गया। इन पुलों के निर्माण से शिकोहाबाद और जसवन्तनगर क्षेत्र के लोग लाभ उठा सकते हैं। क्या इन बातों का ध्यान रखते हुए केन्द्रीय सरकार राज्य सरकार को सहायता देगी और पांचवीं योजना में पुल के निर्माण कार्य को शामिल करेगी ?

एक बात और है कि बटेश्वर में मेला लगता है जिससे सरकार को लाखों रु० की आमदनी होती है। केन्द्रीय सरकार राज्य सरकार को निर्देश दे कि इस मेले में जो आमदनी होती है वह बटेश्वर के विकास पर खर्च की जाय।

श्री मोरारजी देसाई : सरकार को आदेश देना तो कठिन है, हो नहीं सकता है। मगर माननीय सदस्य समझायें मुझ से ज्यादा। और वह मांग करेंगे तो हम जरूर मदद करेंगे।

Non-availability of Castings and Forgings in H.E.C.

*254. SHRI M. RAM GOPAL REDDY: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether the production in the Machine shop of HEC has been adversely affected due to non-availability of castings and forgings; and

(b) if so, the reasons therefor and remedial measures proposed?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI BRIJLAL VERMA): (a) Yes, Sir.

(b) A combination of factors, including irregular power supply and break down of presses, contributed towards reduced supply of castings and forgings to HMBP.

The presses which broke down were repaired on an urgent basis. The Government of Bihar has been requested to ensure a sustained and regular supply of power to HEC.

श्री एम० राम गोपाल रेड्डी : क्या इसकी जिम्मेदारी बिहार सरकार पर है या सेन्ट्रल गवर्नमेंट पर ?

श्री बृजलाल वर्मा : बिहार सरकार से बिजली न मिलने के कारण से ही वहां पर बहुत सी खराबी हुई है।

श्री एम० राम गोपाल रेड्डी : बिजली के अलावा और भी कोई कमी रह गई है, या केवल बिजली की ही है ?